एम.ए हिंदी कार्यक्रम
द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2026 और जनवरी 2027 सत्रों के लिए)

वैकल्पिक पाठ्यक्रम :

मॉडयूल '4' : मध्यकालीन कविता

एम.एच.डी – 21 : मीरा का विशेष अध्ययन
एम.एच.डी – 22 : कबीर का विशेष अध्ययन
एम.एच.डी – 23 : मध्यकालीन कविता –1
एम.एच.डी – 24 : मध्यकालीन कविता –2

सत्रीर्य कार्य

जुलाई –2026 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2027
जनवरी – 2027 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2027

एम.एच.डी – 22 कबीर का विशेष अध्ययन
सत्रीय कार्य
(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : MHD–22
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी–22/2026-2027
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्याशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिएः 10× 3=30

(क) कबीर हरि का भाँवता, दूरैं थैं दीसंत।
तन षीणा मन उनमनाँ, जग रूठड़ा फिरंत।।

(ख) बोलानाँ का कहिये रे माई,
बोलत बोलत तत नसाई
बोलत बोलत बढ़े बिकारा, बिन बोल्याँ क्यूँ होइ बिचारा ।।
संत मिलै कछु कहिये कहिये, मिलै असंत मुष्टि करि रहिये ।।
ग्याँनी सूँ बोल्या हितकारी, मूरिख सूँ बोल्याँ झष मारी।।
कहै कबीर आधा घट डोलै भर्‌या होइ तौ मुषाँ न बोलै ।।

(ग) आपा मेट्या हरि मिलै, हरि भेंट्या सब जाइ।
अकथ कहाणी प्रेम की, कह्या न को पत्याइ ।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : 15×3=45

i. कबीर की भक्ति के मूल उपादानों पर प्रकाश डालिए।
ii. कबीर के काव्य में 'माया' की अवधारण को विश्लेषित कीजिए।
iii. कबीर की सामाजिक चेतना का विवेचन कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए : 5×5=25

i. नाथपंथ और गोरखनाथ
ii. कबीर के अध्ययन में आदि ग्रंथ का महत्व
iii. कबीर के काव्य में अलंकार, बिम्ब और प्रतीक
iv इतिहास के ग्रंथों में कबीर
v. स्वाधीनता आंदोलन और कबीर